प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से सेमीकंडक्टर और ईएसडीएम पार्क: प्रधानमंत्री ने रखी आधारशिला

भुवनेश्वर, 27 सितंबर 2025: माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज ओडिशा दौरे के दौरान झारसुगुड़ा से वर्चुअल माध्यम से आगामी सेमीकंडक्टर और ईएसडीएम (इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग) पार्क की आधारशिला रखी। 200 एकड़ से ज़्यादा क्षेत्रफल में फैले इस पार्क की स्थापना आईआईटी भुवनेश्वर के सहयोग से की जाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस साल अगस्त में भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत 4000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के एक कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब और एक 3-डी ग्लास पैकेजिंग इकाई को पहले ही मंज़ूरी दे दी है। ये परियोजनाएँ और आगामी पार्क मिलकर ओडिशा को उभरते सेमीकंडक्टर परिदृश्य में एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मालकर ने कहा: "आईआईटी भुवनेश्वर अकादमिक-सरकार-उद्योग सहयोग और उद्यमिता के विकास के लिए पूरी लगन से प्रतिबद्ध है, जिन पहलुओं पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विशेष जोर दिया गया है। यह जानकर खुशी हो रही है कि ओडिशा सरकार ने भुवनेश्वर के पास एक सेमीकंडक्टर और ईएसडीएम पार्क स्थापित करने का एक रणनीतिक निर्णय लिया है। आईआईटी भुवनेश्वर इस राष्ट्रीय प्रयास के लिए अपनी भूमि और बौद्धिक योगदान प्रदान करने में गौरवान्वित महसूस करता है।"

गौरतलब है कि आईआईटी भुवनेश्वर ने हाल ही में घोषित 2025 एनआईआरएफ (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) में 15 रैंक की छलांग लगाई है। इसके अलावा, SiC सेम प्राइवेट लिमिटेड के साथ संयुक्त रूप से स्थापित इसका सिलिकॉन कार्बाइड अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र हाल ही में भारत में पहली बार 200 मिमी व्यास वाले SiC पिंड के उत्पादन को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा। इसके अलावा, संस्थान के अनुसंधान एवं उद्यमिता पार्क (आरईपी) ने फरवरी 2024 में 100-क्यूब स्टार्ट-अप पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य ओडिशा के 100वें वर्ष (वर्ष 2036) तक 100 करोड़ रुपये मूल्य के 100 स्टार्ट-अप का मार्गदर्शन करना है; वर्तमान में, आरईपी 100 से अधिक स्टार्ट-अप का मार्गदर्शन कर रहा है।